भारत सरकार

परमाणु ऊर्जा विभाग

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या 5124

जिसका उत्तर दिनांक 24.07.2019 को दिया जाना है

मल-जल शोधन हेतु विकिरण प्रौद्योगिकी

5124. श्री हेमन्त तुकाराम गोडसे :

क्या प्रधान मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) महाराष्ट्र सहित देश के उन शहरों का ब्यौरा क्या है जहां भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र (बीएआरसी) द्वारा विकिरण तकनीक के माध्यम से मल-जल शोधन किया जा रहा है; और

(ख) सरकार/बीएआरसी द्वारा इस प्रौद्योगिकी को लोकप्रिय बनाने के लिए क्या कदम उठाए गए हैं/उठाए जाने का विचार है?

उत्तर

राज्य मंत्री, कार्मिक, लोक शिकायत और पेंशन तथा प्रधान मंत्री कार्यालय (डॉ. जितेन्द्र सिंह):

(क) तथा (ख) भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र (बीएआरसी) ने अमदाबाद नगर निगम (एएमसी), अहमदाबाद के सहयोग से शाहवाड़ी, अहमदाबाद में प्रौद्योगिकी प्रदर्श पायलट परियोजना "सीवेज स्लज हाइजीनाइजेशन (मल-जल आपंक स्वच्छीकरण) संयंत्र" स्थापित किया है । 150 kCi कोबाल्ट-60 भारित संयंत्र का उद्घाटन, फरवरी 2019 में किया गया तथा तब से यह संयंत्र लगातार प्रचालनरत है ।

अपरिष्कृत स्लज, जिसमें 3-4% ठोस घटक होते हैं, के विकिरण उपचार के लिए आपंक स्वच्छीकरण अनुसंधान किरणक अर्थात् स्लज हाइजीनाइजेशन रिसर्च इरेडिएटर (एसएचआरआई) नामक एक अन्य द्रव आपंक किरणक (लिक्विड स्लज इरेडिएटर), पिछले 30 वर्षों से वड़ोदरा में प्रचालनरत है ।

बीएआरसी ने महाराष्ट्र में कोई सीवेज संयंत्र स्थापित नहीं किया है ।

बीएआरसी ने सीवेज़ उपचार के लिए विकिरण प्रौद्योगिकी का उपयोग किए जाने हेतु व्यापक प्रचार किया है । विभिन्न विश्वविद्यालयों और संस्थानों में मौखिक प्रस्तुति, एनीमेटेड वीडियो, पोस्टरों, प्रदर्शनों के माध्यम से इस प्रौद्योगिकी के संबंध में सूचना प्रदान करने के लिए प्रभावी प्लेटफॉर्म के रूप में बीएआरसी के आउटरीच कार्यक्रमों का उपयोग किया गया है । थीम बैठकों, कार्यशालाओं, सेमिनार, न्यूज़लेटरों इत्यादि के माध्यम से वैज्ञानिक एवं पब्लिक फोरमों में भी इस प्रौद्योगिकी का प्रचार किया गया है । इन प्रयासों के फलस्वरूप प्रिंट तथा डिजिटल मीडिया में इस प्रौद्योगिकी को विस्तृत कवरेज मिला है ।

****